छात्रों में गुणात्मक सुधार क्षिक का मूल लक्ष्य– प्रो. अनिल

महात्मा गांधी अंतरराश्ट्रीय हिंदी वि□वविद्यालय, वर्धा। विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार किसी भी शिक्षक का प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्हें पूरी निष्ठा और लगन से अपने विद्यार्थी के निर्माण हेतु सचेष्ट होना चाहिए। शिक्षक ही वह निर्माता है जो अपने विद्यार्थी को तैयार करते हैं। शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण है कि वे अपने छात्रों के भविष्य निर्माण के लिए तत्पर होकर कार्य करें।

यह विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय 'अंकित' ने संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र में शिक्षक सम्मान दिवस के मौके पर व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छात्र शिक्षकों को सम्मानित करने के बहाने उन्हें आत्मचिंतन करने का अवसर प्रदान करते हैं। सम्मान का अवसर शिक्षकों के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। एक आदर्श शिक्षक को ऐसे मौके पर स्वतः मूल्यांकन करना चाहिए कि आने वाले दिनों मे अपने छात्रों के लिए क्या बेहतर कर सकते हैं?

इस अवसर पर केंद्र के सहायक प्रोफेसर धरवेश कठेरिया, डॉ. अख्तर आलम, संदीप वर्मा, राजेश लेहकपुरे, और रेणु सिंह ने अपने विचार रखे।

शिक्षक सम्मान दिवस का आयोजन संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के एम. ए. जनसंचार, एम. ए. मीडिया प्रबंधन, एम.एस.सी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एम. फिल. जनसंचार एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया। इस आयोजन में निलेश कुमार भगत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर केंद्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

This document was created by Smart PDF Creator. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com